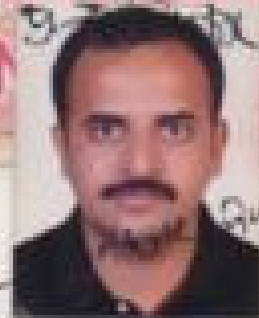


56/2017



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



DU 096367

### पं० नगीना स्मारक सेवा ट्रस्ट

ग्राम- मिश्रपुर, पोस्ट- साठघाट, तहसील- सगड़ी, जिला- आजमगढ़, ३०६०० भारत वर्ष।  
 यह न्याय क्लिप आज दिनांक १०-०८-२०१७ को तहसील- सगड़ी जिला- आजमगढ़  
 में श्री मनीष कुमार मिश्र पुत्र स्व० नगीना मिश्र ग्राम- मिश्रपुर, पोस्ट- साठघाट,  
 तहसील- सगड़ी, जिला- आजमगढ़, ३०६०० द्वारा पंजीकृत किया गया है। जिन्हें अपने  
 न्यासकर्ता/संस्थापक कहा जाएगा। क्योंकि न्यासकर्ता संस्थापक के पास रुपये  
 १०,०००/- मात्र की राशि है। जिसे पुरुषार्थ एवं सामाजिक कार्यों हेतु खर्च करने की  
 इच्छा करते हैं। न्यासकर्ता/संस्थापक उक्त राशि का अग्रति न्यास बनाने हेतु इच्छुक  
 है, जो सम्मान अर्थात् एवं विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करेगा।

ट्रस्ट का न्यासकर्ता मैनेजिंग ट्रस्टी होगा जिसे अपने ट्रस्ट का प्रबन्धक कहा जाएगा  
 न्यासकर्ता/संस्थापक/प्रबन्धक को यह भी इच्छा है कि वह अपने विभिन्न श्रोतों से  
 धन, अनुदान, उपहार, डोनेशन, श्रम, चन्दा, आदि के द्वारा ट्रस्ट का कोष सम्पदा एवं  
 स्तान को और बढ़ाया जा सके। ताकि ट्रस्ट अपने उद्देश्यों में प्रभावी रूप से सफल  
 हो सके, और न्यासकर्ता/संस्थापक/प्रबन्धक ने अपनी इच्छा के अनुकूल रुपये  
 १०,०००/- नकद राशि ट्रस्ट को प्रदान की है।

भारतीय गैर न्यायिक

पचास  
रुपये  
रु.50



FIFTY  
RUPEES  
Rs.50

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BM 812665

भारतीय गैर न्यायिक  
पचास रुपये का न्यायिक स्टैम्प का उपयोग केवल न्यायिक प्रयोजनों के लिए ही किया जा सकता है।  
यह स्टैम्प न्यायिक प्रयोजनों के लिए ही प्रयुक्त किया जा सकता है।  
-२-

क्योंकि वर्तमान में इस ट्रस्ट का पंजीकृत कार्यालय ग्राम- मिर्जापुर, पोस्ट-  
सादवाट, तहसील- सगड़ी, जिला- अजमेरगढ़, ३०५२० भारत में है, अतः  
सुविधा जनक स्थान मिलने पर इस कार्यालय को सम्यक्नुसार समय-समय पर  
जिहा स्थान पर स्थानान्तरित किया जा सकेगा। क्योंकि न्यायिक/दस्तावेज/  
प्रक्रिया द्वारा ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु उद्देश्य निम्न प्रकार का यह  
घोषित किया जाता है।

( इण्डियन ट्रस्ट एक्ट, १९८२ के अन्तर्गत कार्यरत ट्रस्ट )

*(Handwritten signature)*



# भारतीय गैर न्यायिक

पचास  
रुपये

रु.50

FIFTY  
RUPEES

Rs.50

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BN 812666

-2-

दूर के मुख्य उद्देश्य निम्नवत हैं :-

- 1: कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत मानव शक्ति के विकास एवं उन्नति के लिए पूर्व-ग्रहणी स्तर से उच्च स्तर तक बालक/बालिका विद्यालयों, महाविद्यालयों, अन्तर्देशीय विद्यालयों, अन्तर्देशीय विद्यालयों, कन्वेंट, विद्यालयों, बालश्रमिक विद्यालयों, आश्रम पद्धति विद्यालयों, संस्कृत विद्यालयों, बौद्ध विद्यालयों, हरिजन विद्यालयों, अन्धेदृष्ट विद्यालयों, उर्दू/अरबी/पारसी/हिन्दी, तेलगु, बंगाली, मराठी, अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों, विकलांग विद्यालयों, प्रीट शिक्षा केंद्रों, अनीपचारिक शिक्षा केंद्रों, अंगन वाड़ी, बाल वाड़ी, पुस्तकालय योजनाओं, सर्व शिक्षा अभियान कार्यक्रमों, किसान महाविद्यालयों, वरदास विद्यालयों, यतिश्रम विद्यालयों/महाविद्यालयों, विन्व विद्यालयों आदि की स्थापना एवं संचालन सम्पूर्ण भारत वर्ष सहित सम्पूर्ण विश्व में करने का प्रयास करना।
- 2: निःशुल्क पुस्तकालयों, वाचनालयों, बीड़ास्थलों, छात्रावासों, अनाथालयों, कुटुम्बश्रमों, विधवाश्रमों, नारी शिबिरानों, बालश्रमिक मुक्त समुदायिक उत्थान केंद्रों, संग्रहालयों, प्रयोगशालाओं, आदि की स्थापना एवं संचालन करना।
- 3: बाल श्रमिकों का विन्दीकरण करना तथा उन्हें शिक्षित करने का प्रयास करना तथा बंधुओं मजदूरों को मुक्त कर कर उन्हें तथा बालश्रमिकों को शिक्षित प्रशिक्षित कर स्वरोजगार में स्थापित करने का प्रयास करना।





# भारतीय नैर न्यायिक

पचास  
रुपये  
रु. 50



FIFTY  
RUPEES  
Rs. 50

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BM 812667

-४-

- ४: विकलांगों को नि-शुल्क कृत्रिमअंग, मोहन, आवास, शिक्षा, पत्नादि प्रदान करना तथा उनसे लिए कृत्रिमअंगों का बन व वितरण करना । तथा विकलांग जन अधिनियम (सहभागीता, संरक्षण एवं अधिकार) १९८५ के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त समस्त योजनाओं को क्रियान्वित करना ।
- ५: कारखाने के अन्तर्गत, कम्प्यूटर हाई वेयर, कम्प्यूटर सॉफ्ट वेयर, इन्टरनेट, साइबर कैंसे, गिगलार्ड, कडार्ड, कटार्ड, कलार्ड, बुगार्ड, तकनीकी, कुटीर, शिल्पकला, हस्तशिल्पकला, काष्ठकला, कम्प्यूटर, टंकण, आगुतिपि, इलेक्ट्रिकल्स एण्ड इलेक्ट्रानिक्स, वेदिंग, जरीकढ़ाई, चिकनकढ़ाई, कालीनबुनाई, दरी बुनाई, संगीत, नाट्य वाद्य कला, नृत्य, मोटर ट्रेनिंग कारोबार, कृषि अनुसंधान केन्द्रों, ब्यूटीशियरी, फोटोग्राफी, ए.सी., रेडिओरेशन, पैशन डिजाइनर, एक्स-रे, टेक्नीशियन, लैब, पैथलॉजिस्ट, मोबाइल रिपेयरिंग, मासकम्प्युनिकेशन, साफ्टवेयर, नृत्यविपेटर, माइलिंग, कुर्शिन ट्रेनिंग, हेल्थ केयर ट्रेनिंग, टीचर ट्रेनिंग, नेटवर्क मार्केटिंग एण्ड रिसर्च ट्रेनिंग, प्रेस रिपोटर, प्रेस ट्रेनिंग, होटल मैनेजमेन्ट एण्ड आफिस मैनेजमेन्ट, विजनेस डेवलपमेन्ट, ट्रेनिंग पेंटिंग, आई०टी० आई०, बान्ने आर्ट, पब्लिकिनिंग आदि प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना एवं संचालन करना ।
- ६: जनविकास हेतु विचारगोष्ठियों, प्रवचन सभाओं, जल्पवन शिविरो, स्मृति दिवसों तथा सांस्कृतिक उत्सवों का आयोजन एवं संचालन करना, तथा वर्गाय चिकित्सातथे की स्थापना एवं संचालन करना ।

# भारतीय गैर न्यायिक



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BM 812668

-5-

- 9: नदियों में गन्दे नाले के पानी व कचरे को जाने से रोकने के लिए कार्यक्रम बनाना तथा उसका संचालन करना एवं गंगा सहित अन्य नदियों, नालों एवं पौधरो आदि की सफाई कराने का प्रयास करना ।
- 10: गरीब, हरिजन, विधवा, अशिक्षित, असहाय, मुतक आश्रित सेवानियों के बच्चों को बाल श्रमिकों को निःशुल्क शिक्षा तथा पुस्तकें व अन्य शिक्षण सामग्री प्रदान करना तथा उनके लिए साक्षरता एवं साज्जादगी की व्यवस्था करना ।
- 11: पर्यावरण संरक्षण हेतु कार्य करना तथा वन व वन्य प्राणियों की रक्षा की भावना लोगों के अन्दर पैदा करना तथा बुझारोपण करना । प्रदूषण नियंत्रण हेतु नदीयों, खादों, पशु अस्पतालों, प्रदूषण जीव केन्द्रों की स्थापना एवं संचालन करना ।
- 12: मानव संसाधन विकास मंत्रालय, धूम्रपान, द्रव्य, शिष्टी, अवाह, सफाई, भाषाई नौचड, बूडा, सुड, डवाकरा अन्वेषकर ज्ञान, समग्र ग्राम, स्वर्ण जयन्ती, स्वरोज्जर, स्वकल धार, सियर आदि योजनाओं को जनहित में क्रियान्वित करना ।
- 13: बालक/बालिकाओं, कलाकारों, के शारीरिक, बौद्धिक, मानसिक तथा धारिक विकास करना तथा उनके लिए समय-समय पर खेलों, सेमीनारों, गोष्ठियों, प्रदर्शनियों आदि का आयोजन, संचालन करना सफल बालक/बालिकाओं, कलाकारों को पुरस्कृत करना
- 14: भारत सरकार, प्रदेश सरकार, जिला, तहसील, बालक तथा न्याय पंचायत स्तर पर जन-विकास हेतु विशेषकर मानव संसाधन विकास मंत्रालय की योजनाओं एवं विकास के कार्यक्रमों को क्रियान्वित करना ।

*(Handwritten signature)*

# भारतीय गैर न्यायिक

पचास  
रुपये  
रु. 50



FIFTY  
RUPEES  
Rs. 50

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BW 812669

-६-

- १३: वाटरशेड व जल प्रबंधन एवं मैनेजमेन्ट योजनाओं को क्रियान्वित करना तथा ग्रामीणों/शहरी में मुद्रा पैकजल उपलब्ध कराने का प्रयास करना।
- १४: मातृ शिशु कल्याण योजनाओं को क्रियान्वित करना तथा लोगों को परिवार नियोजन अपनाने की सही व उचित सलाह देना तथा जगह-जगह निःशुल्क नसबंदी शिविरो, टी.बी.करण शिविरो, प्लसपोलियो शिविरो, हेपेटाइटिस शिविरो, ट्यूबरकुलोसिस, वैरिटेडुल अस्पतालों, एड्स, अर्पेक, कुष्ठ, अंधता निवारण केन्द्रों आदि की स्थापना एवं संचालन करना।
- १५: कुटीर उद्योग को बढ़ावा देने हेतु मोमबत्ती, अमरबत्ती, दिवासलाई, वाशिंगमशीन, ब्लीचिंगमशीन, साबुन, अचार, मुरब्बा, चिप्स, चाकलेट, नमकीन, विस्क्यूट, नील, चाय, क्षामज की कच, सेट आदि बनाने हेतु प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना एवं संचालन करना।
- १६: समाज में व्याप्त कुुरीतियों तथा दहेज, बाल विवाह, नशा, शराब, गैंग, अफीम, भोग, तम्बाकू आदि का सेवन करने वालों को बचाने हेतु जागरूकता शिविरो एवं नशा उन्मूलन अस्पताल केन्द्रों की स्थापना एवं संचालन करना।
- १७: गाँवों का विकास करना तथा गाँवों में निःशुल्क शौचालयों, मूचालयों, सफाई, पैकजल, तथा आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास करना, तथा स्वयं सचि के लोगों को राजनीति में लाने हेतु १०० प्रतिशत मतदाना कराना व भारत के हर नागरिक को पहचान पत्र दिलाने का प्रयास करना, तथा भारत को स्वच्छ एवं शक्तिशाली देश बनाना।



# भारतीय गैर न्यायिक



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BM 812670

-3-

- १८: गृह मंत्रालय द्वारा संचालित एच०सी०आर०ए०, ३५ ए० सी०, ३५ ए० सी० १ व २ की समस्त योजनाओं को संचालित कर देश एवं समाज का विकास करना तथा इसके अर्न्तगत इन्टरनेशनल नेटवे एक्वाउन्ट संचालित करने का प्रयास करना एवं भूतपूर्व एवं शहीद सैनिकों के अश्वि/परिवार जनों के कल्याण के लिए कार्य करना
- १९: कस्तूरबा गौरी योजना द्वारा संचालित समस्त कार्यक्रमों को संचालित करना तथा इसके अर्न्तगत आने वाली शिक्षण संस्थाओं की स्थापना एवं संचालन करने का प्रयास करना ।
- २०: युवाओं की गौरी को सरकार तक सद्भाव पूर्वक पहुँचाने का प्रयास करना तथा युवाओं में खेलों के प्रति जागरूकता पैदा करने का प्रयास करना ।
- २१: दैवीय आपदा तथा बाढ़, सुखा, भूकम्प, महाभारी, ओलापृष्टि, सूखन, आदि के समय लोगों को तथा सम्भव मदद करना तथा पीड़ितों को निःशुल्क भोजन, दवा-इलाज, आवास, वस्त्रादि प्रदान करने का प्रयास करना ।
- २२: वैश्वीय ऊर्जा के स्रोतों एवं साधनों का विकास करना, उन पर महत्वपूर्ण शोध करना, उनके उपयोग के बारे में लोगों को जागृत करना, देश में आने वाले ऊर्जा संकट से बचने के लिए अतिरिक्त संस्था में वैश्वीय ऊर्जा के साधनों का प्रयोग करने के लिए लोगों को प्रेरित करना तथा इसके प्रचार-प्रसार हेतु अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत मंत्रालय, भारत सरकार एवं वैश्वीय ऊर्जा विकास संस्थान, उत्तर प्रदेश से अनुदान/सहायता प्राप्त कर कार्यमालाओं एवं गोष्ठियों का आयोजन विभागीय अनुमति से करना, तथा ग्लोबल वार्मिंग को रोकने हेतु प्रचार-प्रसार करना ।

# भारतीय गैर न्यायिक

पचास  
रुपये  
रु.50



FIFTY  
RUPEES  
Rs.50

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BM 812671

- २३: कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु राष्ट्रीय सक्षरता मिशन के कार्यक्रमों को क्रियान्वित करने का प्रयास करना ।
- २४: स्वास्थ्य के संदर्भ में जानकारी फैलाना तथा इसके अन्तर्गत स्वास्थ्यविभाग द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों के बारे में जन सामान्य को जानकारी प्रदान करने का प्रयास करना ।
- २५: स्वास्थ्य के क्षेत्र में चल रहे अनुसंधानों में विभिन्न प्रकार से सहयोग प्रदान करने का प्रयास करना तथा गर्भवती महिलाओं की निशुल्क जाँच व परीक्षण कराना एवं समय-समय पर टीकाकरण आदि कराने का प्रयास करना, कन्या भ्रूण हत्या को रोकने का प्रयास करना ।
- २६: युवक व युवतियों में समाज सेवा सेवा, ग्राम सेवा, सदाचार, धर्तव्य सततता, सद्भाव आत्म विकास व स्वावलम्बन तथा भाईचारे की भावना जागृत करने का प्रयास करना
- २७: राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत चल रहे मलेरिया, एड्स, हैजा, टी०बी०, वैचक, आदि के उपमूलन एवं नियंत्रण हेतु कार्यक्रमों में सहभागिता द्वारा लोगों को प्रशिक्षित करना तथा स्वास्थ्य सुविधाएँ विभागीय अनुमति से प्रदान करने का प्रयास करना ।
- २८: सरपंचर द्वारा चलाये जा रहे न्यूनतम आवश्यक कार्यक्रमों के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य की भूल भूल सुविधाओं को प्रदान करने में सहयोग प्रदान करना, तथा विश्व में भारत की पहचान बनाना एवं भारत को विश्वगुरु बनाने का प्रयास करना ।



# भारतीय गैर न्यायिक

पचास  
रुपये  
रु. 50



FIFTY  
RUPEES  
Rs. 50

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-६-

BM 812672

- २६: स्वास्थ्य, राष्ट्र व समाज निर्माण में सहयोग प्रदान करना तथा पूनामी, आयुर्वेदिक, प्रकृतिक चिकित्सा एवं योग आदि को बढ़ावा देने का प्रयास करना तथा इसनिमित्त विद्यालयी महाविद्यालयी आदि की स्थापना व संचालन करने का प्रयास करना ।
- २७: गाँवों में रहने वाली गरीब जनता के स्वास्थ्य विषय में जगह-जगह चौपालों, जनजागरण कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों आदि के द्वारा लोगों को घरों में शौचालय बनाने के लिए प्रेरित करना तथा जगह-जगह नि:शुल्क शौचालयों, मूत्रालयों, पेयजल सप्लाई आदि की व्यवस्था व संचालन करने का प्रयास करना ।
- २९: औषधि बाधों के लिए जड़ी बूटियों का उत्पादन व संग्रह करना, आयुर्वेदिक औषधियों का उत्पादन करना तथा उनके गुणवत्ता के बारे में लोगों को बताना तथा जल संरक्षण, जल बचक व जल संसाधन से सम्बन्धित सभी कार्यक्रमों का संचालन करना एवं स्वच्छ पेयजल स्रोतों को उपलब्ध कराने का प्रयास करना ।
- ३२: गरीब असाक्षर, निराश्रित बालक/बालिकाओं की सामूहिक व पृथक-पृथक शादी विवाह कराना व उनके विवाह के समय यथाशक्ति भोज्य पदार्थ, टेन्ट आदि सामान उपलब्ध कराने का प्रयास करना तथा विवाहोपरान्त द्रव्य पत्र निर्गत करने का प्रयास करना
- ३३: कृषि उत्पाद बढ़ाने का प्रयास करना तथा किसानों को नये तकनीकीयंत्रों, खादों, बीजों, कीटनाशक दवाओं उत्तर भूमि सुधार खादों के प्रयोग की विधि व मात्रा को बताना तथा उन्हें उपलब्ध कराने का प्रयास करना ।
- ३४: जेटोकर (डीजल का पौधा) सागीन का पौधा, राइन जेत पौधा, सफेद मुसली आदि की खेती को बढ़ावा देने का प्रयास करना तथा किसानों को इसके बारे में नि:शुल्क प्रशिक्षण देना एवं जेटोकर के वृक्ष को लगाने का प्रयास करना ।

# भारतीय गैर न्यायिक



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BH 812673

-१०-

- ३५: जीव-जन्तुओं के कल्याणार्थ लोगों में जागृति पैदा करना तथा जीव-जन्तुओं के प्रति कूरता के दृष्टिकोण को बदलना तथा लोगों के अन्दर जीव जन्तुओं के प्रति दया भाव पैदा करने का प्रयास करना ।
- ३६: युवक/युवतियों के विकास हेतु मोटर ट्रेनिंग कालेजों की स्थापना एवं संचालन विभागीय अनुमति से करने का प्रयास करना, तथा आध्यात्मिक व व्यवसायिक शिक्षा का प्रयत्न करना ।
- ३७: जेटोफर के बीजों का किसानों को उचित मूल्य दिलवाने एवं उसका क्रय-विक्रय करने का प्रयास करना, तथा ट्रस्ट के विकास हेतु हर सम्भव प्रयास करना ।
- ३८: भारत व विश्व में लोग के माध्यम से संघर्ष एवं सदाचार का भाव जागृत करने का प्रयास करना, तथा समाज में फैले झूठाचार, धूसखोरी आदि को जड़ से समाप्त करने का प्रयास करना ।
- ३९: स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने हेतु लोगों को प्रेरित करना तथा स्वदेशी खान-पान, रहन-सहन, वस्त्र-इलाज, कपड़ा व स्वदेशी शिष्टाचार को बढ़ावा देने का प्रयास करना
- ४०: कृषि क्षेत्र में लोगों को स्वदेशी जैविक खादों को प्रयोग में लाने की सलाह देना तथा स्वदेशी जैविक खादों के निर्माण की शिक्षा को लोगों बताना व स्वदेशी जैविक खाद को बनाने हेतु लोगों को प्रेरित करना ।
- ४१: कृषि यन्त्रीकरण को बढ़ावा देना तथा नये कृषि यन्त्रों को उपलब्ध कराने का प्रयास करना ।





# भारतीय गैर न्यायिक

पचास  
रुपये  
रु.50



FIFTY  
RUPEES  
Rs.50

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BM 812674

-99-

- ४२: यूनानी,आधुनिक चिकित्सा को बढ़ावा देने एवं किस्मानों के विकास हेतु औषधीय पौधों व दूधों का रोपण करना व करवाना एवं उनकी देख-रेख करना तथा उनके प्रभाव के बारे में लोगों को बताना तथा इनसे होने वाले लाभ का प्रचार-प्रसार करना तथा जगह-जगह निःशुल्क यूनानी,आधुनिक चिकित्सालयों,शिविरों,दवाखानों आदि की स्थापना एवं संचालन विभागीय अनुमति से करने का प्रयास करना ।
- ४३: संस्था विकास हेतु आपकर अधिनियम की धारा १२ (ए) एवं ८० जी (५) की मान्यता प्राप्त करने का प्रयास करना ।
- ४४: ट्रस्ट के चल/अचल सम्पत्ति की देख-भाल व सुरक्षा करना, तथा उसकी बाउन्ड्री चल तैयार कराने का प्रयास करना ।
- ४५: पर्यटन को बढ़ावा देने का प्रयास करना तथा पर्यटन स्थलों की देख-भाल व सुरक्षा करने का प्रयास करना, तथा देश-विदेश से आये आगन्तुकों के लिए विश्रामकक्षों,पौजन, दवा-इलाज वस्त्रादि का प्रबन्ध करने का प्रयास करना ।
- ४६: हरितकान्ति योजना को सफल बनाने का प्रयास करना तथा उसके द्वारा संचालित समस्त कार्यकर्मों का आयोजन एवं संचालन विभागीय अनुमति से करने का प्रयास करना ।
- ४७: ग्रामीण कृषकों के समस्याओं को हल कराने का प्रयास करना तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न प्रकार की कृषि योजनाओं को ग्रामीण कृषकों को उपलब्ध कराने का प्रयास करना ।

# भारतीय गैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-१२-

36AA 132441

- ४८: कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत आल्ट्रा एज होम की स्थापना करना, विसर्ग अन्तर्गत वृद्ध पुरुष, महिला जो असहाय हो, उनके लिए आवासीय व्यवस्था करना उनकी देख-रेख विक्रिया व उनके पुनर्वासन एवं अंतिम संस्कार की व्यवस्था लिए कार्य करना ।
- ४९: भूमि ध्वन आदि का निर्माण व इन्ज-विद्युत (प्राप्टी डीलर ) व ठेकेदारी आदि से सम्बन्धित हर प्रकार का कार्य करना ।
- ५०: किसी भी बैंक अथवा वित्तीय संस्था किसी राष्ट्रीय बैंक से ऋण, अनुदान आदि प्राप्त करना या किसी भी राजनेता या सांसद, विधायक, मंत्री, राज्यमंत्री, राज्य सरकार, केन्द्र सरकार, विदेशी सरकार आदि से सहायता धन, चन्दा, अनुदान आदि प्राप्त करना ।
- ५१: विभिन्न प्रकार के सरकारी एवं गैर सरकारी या राज्य सरकार, केन्द्र सरकार व अन्तराष्ट्रीय सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के संचालन में सहयोग प्रदान करना अथवा संचालित करने का प्रयास करना ।
- ५२: मेड़बन्दी, भूमिसमतालीकरण एवं अन्य कृषि वानिकी को प्रोत्साहन देना, तथा उससे सम्बन्धित योजनाओं का आयोजन एवं संचालन विभागीय अनुमति से करने का प्रयास करना ।
- ५३: दलहनी, तिलहनी व अन्य सभी फसलों के सुरक्षा हेतु कटीले काड़ों से खेत को घेरे तरफ से घेरवाने का प्रयास करना, तथा उनसे होने वाली सुरक्षा के बारे में किसानों को अवगत कराने का प्रयास करना ।
- ५४: सिंचाई संसाधन का विकास करना, तथा वर्षा के जल को एकत्रित करने हेतु किसानों को जागरूक करना ।



# भारतीय गैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-93-

36AA 132442

- १४: सिन्धोरिटी गार्डों को प्रशिक्षण देना, तथा सशस्त्र सिन्धोरिटी गार्ड, इंद्रा मैन, गन मैन, लेबर, कर्मचारी, आदि उपलब्ध कराने का प्रयास करना ।
- १६: पशु चिकित्सालयों व पशु सेवा सदनों की स्थापना व संचालन विभागीय अनुमति से करने का प्रयास करना ।
- १७: मुस्लिम समुदाय के विकास हेतु भारतीय सर्विधान की धारा २६ व ३० के अनुसार अल्पसंख्यक विद्यालय, महाविद्यालय की स्थापना एवं संचालन करके अल्पसंख्यक विशेषकर मुस्लिम छात्र-छात्राओं को शिक्षित करने का प्रयास करना ।
- १८: मुस्लिम माइनारिटी के नियमों का पालन करते हुए मदरसों, मक़ाबों, क़रानियों, फ़ैसलियों, अलिया, हाथिय, खरी, मुन्वी, मौलवी, खानित, अलिया, खानित, मुन्वी, निर्या मदरसों तथा उच्च स्तर तक की शिक्षा देने हेतु विद्यालयों महाविद्यालयों की स्थापना एवं संचालन विभागीय अनुमति से करने का प्रयास करना ।
- १९: परियोजना क्षेत्र में उपलब्ध बीछड़ एवं बंजर (भूमि एवं अकृष्य भूमि) अनुपजाऊ/कम उपजाऊ भूमि को भूमि सैनिकों/साधारण कृषकों द्वारा सुधार करना ।
- २०: उमर, बीछड़ एवं बंजर भूमि को सुधार कर कृषि उत्पादन योग्य बनाना ।
- २१: फसल उत्पादकता में वृद्धि हेतु कृषि बागवानी एवं कृषि यानिकी से सम्बन्धित कार्य करना ।
- २२: जल बचाव क्षेत्रों का उपचार कर फसलोत्पादन तथा उत्पादकता वृद्धि को प्रोत्साहित करना ।

# भारतीय गैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-98-

36AA 132443

- ६३: किसानों की माली इलाज सुधारने का प्रयास करना तथा मूल्यवान पौधे तथा शाकीय, शाक्य, शीशम आदि का रोपण करवाना एवं उसके खरीद-करोछा करना ।
- ६४: अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दलित, कमजोर एवं पिछड़े वर्ग के मुख्य रूप से गरीबी रेषा के नीचे लघु एवं सीमान्त कृषकों, भूमिहीनों, गजदूरी एवं ग्रामीण दलितवर्गों को स्व-रोजगार में लगाने हेतु तकनीकी ज्ञान एवं प्रशिक्षण देने की व्यवस्था करने का प्रयास करना ।
- ६५: जल संरक्षण, जल बचक व जल संस्करण से सम्बन्धित सभी कार्यक्रमों का संचालन करना एवं स्वच्छ पेयजल स्रोतों को उपलब्ध कराने का प्रयास करना ।
- ६६: भारतीय जीव जन्तु कल्याण बोर्ड के नियमानुसार कार्य करना ।
- ६७: गो सेवा की मान्यता के अनुसार कार्य करना तथा जीव जन्तु हेतु समस्त प्रकार के कार्य करना ।
- ६८: जीव-जन्तु कल्याण बोर्ड से जीव जन्तुओं के कल्याणार्थ योजनाओं हेतु आवेदन करना तथा सहायता प्राप्त कर उन्हें भौतिक रूप से क्षेत्र में लागू करना तथा जीव जन्तुओं की रक्षा करने का प्रयास करना ।
- ६९: चयनित क्षेत्र के कृषकों को भूमि सैनिक के रूप में चयन करना तथा भूमि सैनिकों को एक सुसंगठित किसानों के समूह के रूप में गठित करना ।
- ७०: कृषि के उत्पादों का प्रयोगात्मक प्रशिक्षण देकर भूमि एवं जल संरक्षण उद्यमीकरण, कृषि यंत्रिकी आदि कार्यों को अपनाकर आय में वृद्धि करना ।



# भारतीय गैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-१२-

36AA 132444

- ७१: जीव - जन्तुओं के कल्याणार्थ लोगों में जागृति पैदा करना ।
- ७२: जीव - जन्तुओं के प्रति बुरता के दृष्टिदोष को बदलना तथा लोगों के अन्दर जीव जन्तुओं के प्रति दया भाव पैदा करने का प्रयास करना ।
- ७३: हिन्दी सहित अन्य भाषाओं के विकास के लिए संस्था द्वारा प्रचार-व्यसार करना।
- ७४: कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले ग्रामीणों के आर्थिक, नैतिक व सामाजिक स्तर को सुधारने का प्रयास करना ।
- ७५: गरीबी कम करने तथा ग्रामवासियों में बेहतर जीवन स्तर, आपसी सहयोग एवं एकता लाने का प्रयास करना तथा सामान्यतया खादी और ग्रामोद्योगी कार्यक्रमों के कियान्दपन द्वारा विकास करना ।
- ७६: खादी और ग्रामोद्योगी कार्यक्रमों के कियान्दपन हेतु आनुवांशिक/प्रारम्भिक गतिविधियों को प्रारम्भ करना , तथा विभिन्न प्रकार के सामाजिक, राजनैतिक व आध्यात्मिक पत्र-पत्रिकाओं आदि का प्रकाशन एवं संचालन करना व समय-समय पर जनहित के लिए व पर्यावरण को शुद्ध करने के लिए पत्र/हस्तन करना व करवाना तथा राष्ट्रहित एवं विश्वहित के लिए अज्ञान-अज्ञान संगठनों का निर्माण करना एवं इन्हें संचालित करना ।
- ७७: परिवोजना क्षेत्र के भूमिहीन खेतिहर भूमि रूिगियों को कार्य हेतु भूमि का आवंटन कराकर छोटी घोंघ बनाना, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना ।

*Signature*



# भारतीय नैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रश्न: निम्नलिखित प्रतिकूल, बैंक अथवा स्थानीय प्राधिकारियों अथवा खादी और ग्रामोद्योगी कार्यक्रमों अथवा/अथवा राज्य मण्डल, और अथवा संस्था/और/अथवा/संघ/राज्य सरकार से बन्दा, दान, अनुदान, बर्सीयत, प्रोनेशन, उपहार और धरोहरों आदि को प्राप्त अथवा स्वीकार करना।

- 3644 332445
- उ६: ट्रस्ट द्वारा अपने सभी अथवा किसी उद्देश्यों को अग्रसार करने लिए किसी भी भूमि, भवन, सुधारकारी, तथा बल और/अथवा अचल सम्पत्ति और किसी सम्पदा अथवा कित को दान, कव-विनियम, किराये या पट्टे द्वारा अथवा अन्यथा किसी भी तरह से अर्जित करना।
- उ७: मरदानों, संरचनाओं अथवा भवनों को बनाना, निर्माण तथा रख-रखाव तथा विद्यमान भवन सहित उसमें हेर-फेर, विस्तार, सुधार, मरम्मत, परिवर्तित अथवा विधित परिवर्तन एवं उसमें प्रकाश, नाली, पानी, कर्नीचरी, गूडनारी, बंजों, उपकरणों, संधियों से सुसज्जित और प्रत्येक भवन निराला निर्माण किया या धरित है। उपयोग के लिए अन्य आवश्यकताओं की व्यवस्था करना।
- उ८: ट्रस्ट से सम्बन्धित जो भी परिसम्पत्तियों (बल एवं अचल) है वह कव विक्रय, प्रकल्पक, हस्तान्तरण, विनियम, बंधक, हिन्दाइस, पट्टा अथवा किराये पर देना निरपादन अथवा सम्पत्ति के विषय में अन्यथा संभव्यहार करना।
- उ९: ट्रस्ट से सम्बन्धित सभी अथवा किसी बल या अचल परिसम्पत्तियों पर जमानत रहित/या सहित अथवा बंधक प्रभार, भाराकान्ति या गिरवी रखना।



# भारतीय गैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-११-

36AA 132446

- ८३: ट्रस्ट की सभी अथवा किसी उद्देश्यों को अग्रसर करने के लिए भूखारे खोलना एवं संचालन करना और ऐसी अन्य गतिविधियों का उत्तरदायित्व उठाना ।
- ८४: ट्रस्ट की किसी भी गतिविधियों की उपस्थिति के लिए प्रशासनिक अथवा नैतृत्व सम्बन्धित सभी कानून समस्त कार्य तथा उसके लिए आवश्यक खर्च करना ।
- ८५: ट्रस्ट के लाभ का उपयोग ट्रस्ट के लाभों को पूरा करने में किया जाएगा और उसे मुख्य ट्रस्टी/न्यासकर्ता अपने उपयोग में ले सकता ।
- ८६: केन्द्रीय खादी प्रमोशन बोर्ड, उ० प्र० खादी कमीशन के पैटर्नानुसार खादी वस्त्रों एवं खादी कस्बे धागों का निर्माण करना तथा इसके लिए लघु उद्योगों की स्थापना व संचालन करके बेरोजगार लोगों को वस्त्र बनाने व बेचने का प्रशिक्षण देकर उन्हें बेरोजगार में स्थापित करने का प्रयत्न करना ।
- ८७: खादी का प्रचार-प्रसार करना तथा इसके निमित्त लघु उद्योगों की स्थापना एवं संचालन करना तथा खादी प्रमोशन, खादीकमीशन, केन्द्रीय खादी बोर्ड से काल, अनुदान, धन, धन्य आदि प्राप्त करना तथा उसका उपयोग संस्था विकास एवं वैरिटेबुल कार्यों में व्यय करना ।
- ८८: केन्द्रीय खादी प्रमोशन आयोग/उत्तर प्रदेश खादी प्रमोशन बोर्ड से प्रमाण पत्र प्राप्त कर संस्था विकास में कार्य करना ।
- ८९: ट्रस्ट के उद्देश्यों को अग्रसर करने के लिए बैंक/बैंकों में खाता/खाते खोलना तथा लेन-देन अथवा किसी भी आवश्यकता जो बैंक/बैंकों के साथ किसी भी तरीके से संव्यवहार करना ।

# भारतीय नैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-१८-

36AA 132447

- ए०: निर्दिष्ट एवं कर्मचारी वर्ग के लोगों के जीवन स्तर उठाने का प्रयास करना ।
- ए१: कार्यक्षेत्र के निवासियों विशेषकर कर्मचारी वर्ग के लोगों तथा नरीबी रेखा के नीचे आने वाले परिवारों के सर्वांगीण विकास सम्बन्धी कार्यक्रमों का संयोजन तथा संचालन करना
- ए२: क्षेत्र के लोगों के जीवन स्तर को उठाने हेतु रोजगार के अवसरों का सृजन करना तथा ग्रामीण अर्थ व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु उद्योग तथा सेवाओं की विकास की योजनाएं बनाना तथा कार्यक्रम चलाना ।
- ए३: क्षेत्र के समग्र विकास के परिपेक्ष्य में खादी ग्रामोद्योग बोर्ड/खादी कमीशन बोर्ड द्वारा स्वीकृत प्रवृत्तियों एवं पैटर्न के अनुसार मुख्यतः खादी और ग्रामोद्योग की गतिविधियों को अपनाना व विकास की योजना बनाना तथा खादी ग्रामोद्योग तथा अन्य ग्रामीण उद्योग (रूरल इन्डस्ट्रीज) के विकास/प्रसार हेतु प्रशिक्षण की व्यवस्था करना ।
- ए४: मातृ पालन हेतु मातृ बीज की सफाई करने का प्रयास करना ।
- ए५: मातृ पालन हेतु ताताओं,पोखरों आदि का पट्टा लेना तथा उसमें मातृ पालन कर देना व जनता के विकास करने हेतु प्रयास करना ।
- ए६: मातृ पालन व्यवस्था को बढ़ाया देना तथा इस निमित्त व्यवसायियों को निःशुल्क प्रशिक्षण देना ।
- ए७: कार्यक्षेत्र के अर्न्तगत आने वाले ताताओं व पोखरों की सफाई-सफाई व जीर्णोद्धार से सम्बन्धित हर प्रकार का कार्य करने का प्रयास करना ।
- ए८: मातृ पालकों में उत्तम आपसी विवाद को सद्भाव पूर्वक हल करने का प्रयास करना


# भारतीय गैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

-१६-

उत्तर प्रदेश, UTTAR PRADESH

36AA 132448

- ६६) माल्य बाग को उपाचय करना व माल्य पालकों में निःशुल्क वितरण करना ।
- १००) माल्य विपदा में घटाई जा रही सभी योजनाओं का संचालन करने का प्रयास करना
- १०१) समकानुसार संस्था को विश्वास हेतु बी०एड०, एम०एड०, बी०पी०एड०, पी०एल०एड०, डी०एल०एड०, सी०पी०एड०, पी०टी०सी०, यू०टी०सी०, एल०एल०बी० आदि प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना एवं संचालन करना ।
- १०२) उत्तर प्रदेश सरकार/भारत सरकार द्वारा संचालित योजनाओं तथा जनसेवा केन्द्र, कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्रों, तथा निःशुल्क प्राथक सेवा केन्द्रों आदि की स्थापना व संचालन विभागीय अनुमति से करने का प्रयास करना ।
- १०३) कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत सी०बी०एस०ई० विद्यालयों, आई०सी०एस०ई० विद्यालयों, इन्दिरा गांधी मुक्त विद्यालयों आदि की स्थापना व संचालन करना ।
- १०४) पैरामेडिकल कालेज के अन्तर्गत नर्सिंगसेमो, फार्मसी, पैदाताजी, रेडियोलाजी, फिजियोथेरेपी, ऑप्टोमिटी, जे०एन०एम०, ए०एन०एम०, नर्स, बी०फार्मा, डी० फार्मा, एम० फार्मा आदि प्रशिक्षण केन्द्रों तथा मेडिकल व इंजीनियरिंग कालेजों, विद्यालयों आदि की स्थापना एवं संचालन विभागीय अनुमति से करने का प्रयास करना ।
- १०५) गौ पालन एवं पशुपालन के माध्यम से भारत राष्ट्र को सुखी सम्पुर्णजाती सशक्त तथा सम्पन्न बनाने का प्रयास करना ।
- १०६) गौवंश एवं कृषि के उपयोगी पशुधन को बच से बचाने का प्रयास करना ।
- १०७) सम्पूर्ण गौवंश को कसाईयों एवं गोबंश टस्करी से मुझाने का प्रयास करना ।

# भारतीय गैर न्यायिक

बीस रुपये  
रु.20



Rs.20  
TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-२०-

36AA 132449

- १०८: तस्करों एवं कमांडों से मुद्राएँ एवं नोटों एवं पत्रों को अपने अधिकार में लेकर उनका भरण-पोषण एवं सेवा करने का प्रयास करना ।
- १०९: नोटों से सभी सम्बन्धित मुद्राओं की पैरवी करना तथा तस्करों को यथोक्त रूप दिखाने का प्रयास करना ।
- ११०: नोटों विनाश योजना के माध्यम से बेधरी समस्या का निदान करना, जिसमें मौखिक रूप उत्पन्न योजना भी सम्मिलित करने का प्रयास करना ।
- १११: रंग तथा (गंध का दूध, घोंघे, गंधक, गंधक) से सभी प्रकार की औषधियों का निर्माण करना तथा गंधक से अमरवाती, साबुन, रंग बंधन, फउडर आदि का निर्माण करने की सही व उचित रूप देने का प्रयास करना ।
- ११२: उत्तम जाति के साड़ों के माध्यम से नोटों विनाश कार्य अथवा दूध देने वाली जाति की संतानों को उत्पन्न करने का प्रयास करना ।
- ११३: नोटों एवं नौस विनाश पर विशेष ध्यान देकर नौस विनाश करने का हर प्रकार से प्रयास करना
- ११४: कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत आई०टी०आई०, फलिटोनिक्स, इन्जीनियरिंग कालेजों, मेडिकल कालेजों, आदि की स्थापना एवं संचालन करना ।
- ११५: अंतर्राज्य परिस्थितियों से सम्बन्धित सभी कार्यक्षेत्रों को संचालित करना व करचना तथा ग्रीन इन्डिया एवं शोकत चार्जिंग से बचने के लिए जनसामान्यता फैलाने का प्रयास करना ।
- ११६: कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत सी०बी०एल०आई० विद्यालयों, आई०सी०एल०आई० विद्यालयों, इन्दिरा गौरी मुक्त विश्व विद्यालयों, राजपि टाउन मुक्त विश्व विद्यालयों आदि की स्थापना व संचालन करने का प्रयास करना, तथा दूरस्थ शिक्षा आदि का प्रबन्ध करना एवं विभिन्न विश्वविद्यालयों से सम्बन्धित प्राप्त कर शिक्षा को विकसित हेतु कार्य करना ।

*(Handwritten signature)*

# भारतीय गैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

36AA 132450

-2-

- 1190: समाप्त में स्वयं सुविधाओं एवं अन्यविधाओं से सम्बन्धित कार्रवायों को दूर करने व कार्रवाई का प्रयास करना ।
- 1191: कम्प्यूटर प्रणालय हेतु राष्ट्रीय साक्षरता मिशन से कार्यवाही को विवक्षित करने का प्रयास करना ।
- 1192: बेरोजगार युवा/युवतियों को तालिम प्रदानित कर उन्हें बेरोजगार में स्थायित्व करने का प्रयास करना
- 1200: राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत चल रही मलेरिया, चाला आजार, हेतु बुखार, विकल बुनिया, लकड़ी इन्फेक्शंस, फाइलेरिया, मय ठेक, रक्ति ठेक, राष्ट्रीय कार्यक्रम, राष्ट्रीय संघर्षी रोग, निगलनी कार्यक्रम, बीमार, टी०बी०, वेचक, गिनी कुनि, बाबू आदि से सम्बन्धित एवं निवारण हेतु कार्यवाही में सम्बन्धित द्वारा लोभे विवक्षित करना तथा स्वास्थ्य सुविधाएँ विभागीय अनुमति से प्रदान करने का प्रयास करना ।
- 1211: ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में लोभे की स्वास्थ्य सुरक्षा हेतु प्रयास करना तथा गर्भव, असहाय, लोभे की भोजन, विविधता, आवास, स्वास्थ्य विज्ञान प्रदान करने का प्रयास करना ।
- 1220: कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत क्षेत्र विचार व्यवस्था व संचालन करना तथा पुराने क्षेत्र विचारों की रोक-थाम, सुरक्षा तथा जीर्णोद्धार आदि से सम्बन्धित हर प्रकार कार्य करना ।
- 1221: बचाव खास बीमारता अन्वेषक जी की सन्तों की साक्षर करने हेतु सांस्कृतिक कार्यवाही का आयोजन एवं संचालन करके उनके कृषियों का समझ में प्रचार-प्रसार करने का प्रयास करना तथा क्षेत्र विचार आदि की स्थापना व संचालन करने का प्रयास करना ।
- 1222: ट्रस्ट द्वारा पूरे भारत वर्ष में संचालित विभिन्न अन्य ट्रस्ट, सोसाइटी, कम्पनी द्वारा संचालित विभिन्न को विज्ञान प्रणालय संघर्षी का अविद्यमान/विज्ञान करना ।

*(Handwritten signature)*

# भारतीय गैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-२२-

36AA 132451

- १२५: बीमारों अम्बेडकर प्रतिमाओं, बीछ बिहारों आदि का जीर्णोद्धार,निर्माण, सुन्दरीकरण, सफाई आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने का प्रयास करना
- १२६: भारत सरकार,प्रदेशसरकार,जिला ,तहसील,ब्लाक तथा न्यून पंचायत स्तर पर खास सातव बीमारों अम्बेडकर जी की प्रतिमाओं व बीछ बिहार क जीर्णोद्धार की योजनाओं एवं विकास के कार्यक्रमों को क्रियान्वित करना ।
- १२७: बीछ बिहार में आने वाले अल्पसंख्यकों के लिए विश्वाम्बरों,स्वच्छ पेय जल,शौचालय,मूकालय आदि का प्रबन्ध करना ।
- १२८: बीछ बिहार की घत/अघत सम्पत्ति की देख-भाल व सुरक्षा करना ।
- १२९: समय-समय पर बीछ धम्म दीक्षा समारोह का आयोजन तथा दीक्षा ग्रहण करने वाले बीछों की दीक्षा प्रमाण पत्र विभागीय अनुमति से निर्गत करने का प्रयास करना ।
- १३०: बीछ धम्म से जुड़े सभी संस्कारों का सम्पादन करना तथा विभागीय अनुमति से प्रमाण पत्र निर्गत करने का प्रयास करना ।
- १३१: बीछ धम्म का प्रचार-प्रसार करने का प्रयास करना ।
- १३२: दलित,शोषित तथा निर्धन लोगों में वैसी असमानता,अभ्यविश्वास तथा कुरीतियों को दूर करने का प्रयास करना ।
- १३३: कार्यक्षेत्र के अर्न्तगत आने वाले सरकारी कर्मचारियों के हितों की सुरक्षा हेतु कार्य करना ।
- १३४: कार्यक्षेत्र के अर्न्तगत आने वाले सरकारी कर्मचारियों, अधिकारियों आदि के बीच उत्पन्न आपसी विवाद को सद्भाव पूर्वक हल करने का प्रयास करना ।





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-२३-

29AA 643176

- १३४: कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले समस्त सरकारी कर्मचारियों, अधिकारियों आदि को एकजुट कर उनकी मांगों सम्बन्ध पूर्वक सरकार से हल कराने का प्रयास करना ।
- १३५: सरकारी कर्मचारियों के कल्याणार्थ चलाये जा रहे समस्त सरकारी एवं गैर सरकारी, देशी एवं विदेशी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करना एवं उनकी की सुविधाओं को समिति के माध्यम से दिलाने का प्रयास करना ।
- १३६: सरकारी कर्मचारियों, अधिकारियों के उपर हो रहे अनैतिक अत्याचारों के विरुद्ध आवाज उठाना तथा उन्हें एक जुट कर अपनी मांगों को लेकर सरकार के समक्ष स्वयं अथवा कोर्ट के माध्यम से अपना विचार प्रकट करना ।
- १३७: मुदा स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रमों का आयोजन व संचालन करना तथा किसानों को मुदा स्वास्थ्य परीक्षण के बारे में जानकारी प्रदान करना ।
- १३८: कृषि पन्जीकरण को बढ़ावा देना तथा नये कृषि बन्धों को उपलब्ध कराने का प्रयास करना ।
- १३९: हरितकृषि योजना को सफल बनाने का प्रयास करना तथा उसके द्वारा संचालित समस्त कार्यक्रमों का आयोजन एवं संचालन, तथा दुग्ध उत्पादन केंद्र (बैपरी ) की स्थापना व संचालन करना ।
- १४०: मेड़बन्दी, भूमिसमतालीकरण एवं अन्य कृषि बानिधी को प्रोत्साहन देना, तथा उससे सम्बन्धित योजनाओं का आयोजन एवं संचालन विभागीय अनुमति से करने का प्रयास करना ।

# भारतीय गैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-२४-

29AA 643177

- १४१: समाज को प्रतिष्ठित करने वाली या समाज में भ्रम फैलाने वाली को विधिक एवं कानूनी रण्ट दिलाने का प्रयास करना ।
- १४२: राज्य सरकार, केन्द्र सरकार, समाज कल्याण, अल्पसंख्यक, हरिजन कल्याण, बाल कल्याण, सीता कल्याण आदि विभिन्न विभागों द्वारा जारी जनकल्याणकारी योजनाओं का आयोजन एवं संचालन करने का प्रयास करना
- १४३: टेलेवारी, नाल, लेवर व कर्मचारी आदि की सफाई करना, पापलोट प्रशिक्षण केंद्रों का संचालन करना तथा सीमेन्ट ईट का निर्माण, मिट्टी ईट का निर्माण, पेट्रोल पंप आदि की स्थापना व संचालन करना ।
- १४४: बालू खदान, मार्बल खदान, पत्थर खदान, लौहा खदान, कोयला खदान, तालाब खदान आदि विभिन्न प्रकार के खनिज विभाग द्वारा संचालित कार्यों का आयोजन एवं संचालन करने का प्रयास करना ।
- १४५: शेर व बाजार के बारे में लोगों को निःशुल्क जानकारी देना, तथा इस निमित्त पत्र, पत्रिकाओं, अखबारों व अन्य दैनिक समाचार पत्रों व पत्रिकाओं का प्रकाशन व मुद्रण करने का प्रयास करना ।
- १४६: ट्रस्टों में ट्रस्ट की सम्पत्ति यथा भूमि, भवन का कप-विक्रय (देवना व खरीदना) कन्वर्ट, एक्सीमेन्ट, पट्टे, तथा भाड़े आदि पर देना एवं बैंक में ट्रस्ट की कोई भी सम्पत्ति मार्गेज करवाना, लोन लेना, ट्रस्ट के विकास के लिए एन०आर०आई० एवं एन०आर०ओ० खाता खुलवाना तथा विदेश से प्राप्त धन को जनहित व ट्रस्टों में व्यय करने का प्रयास करना ।



# भारतीय गैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-२५-

29AA 643178

- १४७: नरनोपरान्त अंगदान के इच्छुक व्यक्ति से अंग प्राप्त कर उसे जरूरत मंजो की प्रदान करने का प्रयास करना तथा खास बैंक का संचालन करना ।
- १४८: मानव जाति में सत् प्रेम भक्ति रसधारा के माध्यम से दया, कल्याण, प्रेम व मैत्री की भावना जागृत करने का प्रयास करना ।
- १४९: वर्तमान भौतिक युग में बढ़ती विषमता व अज्ञानता का दूर करने का प्रयास करना तथा मानव को प्रेम के द्वारा अपने परिवार व समाज से जोड़ने का प्रयास करना ।
- १५०: सत् प्रेम के द्वारा पूर्व मानव सुधार हेतु कार्य करना तथा सत् प्रेम, योग, ध्यान, समाधि आदि द्वारा आत्म जागरण एवं ईश्वर प्राप्ति के मार्ग को प्रदर्शित करने का प्रयास करना ।
- १५१: योग, आयुर्वेदिक, प्रकृति, होम्योपैथिक आदि पद्धति द्वारा लोगों को मानसिक एवं शारीरिक निरोग करने का प्रयास करना ।
- १५२: इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रिन्ट मीडिया, दूरदर्शन, टेलीवीजन, आकाशवाणी, दूरभाष केन्द्रों आदि की स्थापना व संचालन करना, तथा समाचार पत्र-पत्रिकाओं, साप्ताहिक पत्रिकाओं, मासिक पत्रिकाओं, त्रैमासिक पत्रिकाओं की स्थापना, प्रकाशन, मुद्रण व संचालन करने का प्रयास करना ।
- १५३: दुवाओं में खेलों के प्रति उनके अन्दर जागरूकता पैदा करने का प्रयास ।
- १५४: ग्रामीण व पिछड़े इलाकों में कुशल शिक्षादिव्यों का चयन करना तथा उन्हें निःशुल्क प्रशिक्षण देने का प्रयास करना ।

*(Handwritten signature)*

# भारतीय नैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश LITTAAR PRADESH

-२६-

29AA 643179

- ११६: कुशल विलासियों के लिए अनुभवी कोचों की व्यवस्था करना तथा उन्हें विभिन्न प्रकार के खेलों का हर सामान उपलब्ध करने का प्रयास करना ।
- ११६: भारत सरकार, प्रदेश सरकार, जिला, तहसील, ब्लॉक तथा न्याय पंचायत स्तर पर युवाओं के विकास हेतु चलायी जा रही विशेष खेल योजनाओं को क्रियान्वित करना ।
- ११७: युवाओं के हितों की रक्षा हेतु कार्य करना तथा उन्हें सरकार द्वारा चलायी जा रही खेल से सम्बन्धित हर योजनाओं का लाभ पहुँचाने का प्रयास करना ।
- ११८: युवाओं को शिक्षित-प्रशिक्षित कर स्वरोजगार में स्थापित करने का प्रयास करना ।
- ११९: युवाओं को एकत्र कर उनकी समस्याओं, विचारगोष्ठियाँ करना तथा उनके विचारों को आदान-प्रदान करने का प्रयास करना ।
- १२०: कार्यक्रम के अन्तर्गत विलिडन मैटेरियल, लेबर व कर्मचारी आदि उपलब्ध करने आदि सम्बन्धित हर प्रकार का कार्य करना ।
- १२१: गाँवों में रहने वाली गरीब जनता के स्वास्थ्य विकास हेतु जगह-जगह चौपालों, जनजागरणता कार्यक्रमों, प्रदर्शनीयों आदि के द्वारा लोगों को घरों में शौचालय बनाने के लिए प्रेरित करना तथा जगह-जगह निःशुल्क शौचालयों, मूत्रालयों, पेयजल सफाई एवं निःशुल्क व्यवस्था व संचालन करने का प्रयास करना ।

# भारतीय गैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-२८-

29AA 643181

## प्रारम्भिक उपबन्ध :-

- 1: वर्तमान में ट्रस्ट डीड के पंजीकृत दिनांक १०-०८-२०१७ से श्री मनीष कुमार मिश्र जो कि ब्यासबस्ता एवं इस ब्यास बिलेख के रचयिता भी है, को इस ट्रस्ट डीड का मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक स्वीकृत किया जाता है।
- 2: यदि कोई अन्य व्यक्ती वर्तमान में मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक श्री मनीष कुमार मिश्र द्वारा रजिस्ट्रार के यहाँ रजिस्ट्री कर सुनिश्चित किया जाय तो उनके पश्चात उनके योग्य पुत्र/पुत्री जो कि इस ट्रस्ट के ट्रस्टी होंगे। यदि उनके योग्य पुत्र/पुत्री बालिग न हो तो उनकी पत्नी इस ट्रस्ट की तब तक मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक होगी जब तक उनके पुत्र/पुत्री कानूनी रूप से बालिग न हो जाय।
- 3: वर्तमान में मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक अपने जीवन काल में ही जाय चाहे, अपना उत्तर बालिग अपने उत्तराधिकारियों या किसी को स्वामान्तरित कर सकता है।
- 4: यदि श्री मनीष कुमार मिश्र के निधन के समय उनके बच्चे नाबालिग हो तो उनकी ओर से उनकी पत्नी को मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक का कार्य तब तक सम्भालना होगा जब तक कि उनके पुत्र/पुत्री कानूनी रूप से बालिग न हो जाय।



# भारतीय गैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

29AA 643182

-२६-

- ४: मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक को चाहिए कि अपने उत्तराधिकारी मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक लिखित रूप से अपने हस्ताक्षर करके व्यक्त कर दे यदि ट्रस्ट में किसी भी विन्दु का संशोधन करना है तो इसके अतिरिक्त अन्य किसी भी स्टाम्प पर उक्त संशोधन टिकित कर रजिस्ट्रार के कार्यालय में प्रस्तुत कर स्वयं उपस्थित होकर संशोधन कराने का अधिकार मुख्य ट्रस्टी/प्रबन्धक को होगा तथा ट्रस्टी /प्रबन्धक को यह भी अधिकार होगा कि वह स्टाम्प पेपर पर प्रबन्ध समिति का गठन कर उसे रजिस्ट्रार के यहाँ रजिस्ट्री करा सें। इस संदर्भ में यह भी स्पष्ट करना है कि कार्यरत मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक द्वारा अपने जीवनकाल के उत्तरार्ध में की नयी रजिस्ट्री/वसीयत ही अन्तिम रूप से मान्य होगी।
- ५: यदि कार्यरत मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक अपने जीवन काल में अपना कार्यभार अपने उत्तराधिकारी को वास्तविक रूप से हस्तान्तरित कर देता है तो यह अपने निर्णय पर पुनः विचार नहीं कर सकेगा।
- ७: कार्यरत मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक तभी अपने उत्तराधिकारी हस्तान्तरण विषय पर विचार एवं पुनः विचार करने हेतु स्वतंत्र है जब तक कि वास्तविक रूप से कार्यभार अपने उत्तराधिकारी को न प्रथम कर दे।



# भारतीय गैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-30-

29AA 643183

## बोर्ड आफ ट्रस्टीज

- 1: यह कि मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक यदि उचित समझे तो नियमों पर विचार विमर्श करने एवं सलाह प्राप्त करने हेतु बोर्ड आफ ट्रस्टीज का गठन कर सकता है। जो इन्टरमीडिएट एग्रीमेंट के अनुसार अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रबन्धक/सचिव, उपप्रबन्धक/उपसचिव, कोषाध्यक्ष तात् सदस्य व तीन पौन सदस्य होने जिनकी कुल संख्या 12 होगी।
- 2: बोर्ड आफ ट्रस्टीज के गठन हेतु इच्छुक व्यक्ति मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक के पास रुपये 10,000/- जमा कर बोर्ड आफ ट्रस्टीज बन सकता है परन्तु उनका कार्यकाल मात्र एक वर्ष का होगा, जिसे किसी भी समय बिना कोई सूचना दिये मैनेजिंग ट्रस्टी / प्रबन्धक समाप्त कर सकता है जिसके विरुद्ध कोई वाद किसी भी माननीय न्यायालय स्तर पर दायर नहीं किया जा सकता है।
- 3: यह कि मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक किसी भी व्यक्ति को ट्रस्टी मनोनीत करते समय उसका कार्यकाल स्पष्ट करेगा। ट्रस्टी का कार्य अवधि मैनेजिंग ट्रस्टी/ प्रबन्धक की इच्छा पर निर्भर करेगा, तथा मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक किसी भी ट्रस्टी का कार्यकाल समाप्त होने के पूर्व ही बिना किसी को कोई कारण बताये उसका ट्रस्टी का पद समाप्त कर सकता है।
- 4: मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक जब भी उचित समझे बोर्ड आफ ट्रस्टी की बैठक बुला सकता है। जिसकी अध्यक्षता स्वयं मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक ही करेगा।

# भारतीय गैर न्यायिक

बीस रुपये  
रु.20



Rs.20  
TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-39-

29AA 643184

- 1: बोर्ड आफ ट्रस्टीज उन्ही विषयों पर विचार करेगा, तथा सुझाव देगा जिनको कि मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक द्वारा सुनिश्चित किया जावेगा ।
- 2: बोर्ड आफ ट्रस्टीज द्वारा दिये गये किसी भी सुझाव को मानना, स्वीकार करना अथवा अस्वीकार करना, पूर्णतया मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक की इच्छा एवं विवेक पर निर्भर करता है । इस संदर्भ में मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक के द्वारा लिया गया निर्णय ही मान्य व अन्तिम निर्णय होगा ।

## मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक का कार्यकाल एवं सुविधायें :-

- 1: मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक को ट्रस्ट द्वारा विभिन्न सुविधाओं से युक्त कार्यालय एवं पदों की सुविधा उपलब्ध करायी जावेगी । इन सुविधाओं के स्तर पर सुनिश्चित करने में मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक का निर्णय ही अन्तिम रूप से मान्य होगा ।
- 2: मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक अपना उत्तरदायित्व वहन करने हेतु ट्रस्ट से मासिक मानदेय/चलते आदि पर यदि कोई अल्प कर लगाता है तो मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक स्वयं अपनी प्राप्त अल्प से ही अल्प कर का मुक्तान करेगा ट्रस्ट इसके लिए उत्तरदायी नहीं होगा ।
- 3: मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक अपने पद पर आजीवन बना रह सकता है । उसके न रहने पर मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक से बच्चा (खून) का रिस्ता रखने वाला ही मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक होगा ।
- 4: मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक जब भी चाहे व ट्रस्ट का नाम व पता परिवर्तित कर सकता है ।

# भारतीय नैर न्यायिक

बीस रुपये  
रु.20



Rs.20  
TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

29AA 643185

-३२-

## कार्यक्षेत्र

ट्रस्ट का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण भारत वर्ष सहित सम्पूर्ण विश्व होगा। सामाजिक उत्थान हेतु विश्व के किसी राष्ट्र व व्यक्ति विशेष से सहायता एवं उपहार, अनुदान, दान, धन्य, भोग, उपहार, डोनेशन आदि प्राप्त कर सकता है अथवा सहायता व सलाह दे सकता है।

### मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक का विशेषाधिकार :-

- 1: मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक को वह विशेषाधिकार प्राप्त होगा कि वह ट्रस्ट के अन्तर्गत कार्यरत किसी भी अधिकारी/कर्मचारी द्वारा लिए गये निर्णय में हस्तक्षेप कर निरस्त/स्वीकृत/अस्वीकृत, संशोधित कर दे। मैनेजिंग ट्रस्टी/ प्रबन्धक ट्रस्ट के कार्यकलापों में किसी भी स्तर पर कोई भी दिशानिर्देश दे सकता है, जो सभी सम्बन्धित पक्षों को अन्तिम रूप से मान्य एवं स्वीकार्य होगा।
- 2: मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक ट्रस्ट की किसी भी चल/अचल सम्पत्ति का कच विक्रय कर सकता है।
- 3: ट्रस्ट की सम्पत्ति को कच-विक्रय (बेचने व खरीदने) का अधिकार मैनेजिंग ट्रस्टी/ प्रबन्धक के पास सुरक्षित होगा।

# भारतीय गैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

29AA 643186

-२३-

अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रबन्धक/सचिव, उपप्रबन्धक/उपसचिव, कोषाध्यक्ष सहित

सात सदस्य व तीन पदेन सदस्यों की नियुक्ति का अधिकार

- १: मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक ट्रस्ट के लिए प्रतिदिन के कार्यों को करने एवं देख-भात करने के लिए ट्रस्ट के लिए उक्त पदों की नियुक्ति कर सकता है।
- २: उक्त पदों के केंशन पत्रों, सुविधाये, कार्यनिपटन मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक निश्चिन्ता करेगा।
- ३: उक्त व्यक्ति मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक के अनुरोध तथा प्रसाद पर्याप्त कार्य करने मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक किसी भी समय बिना कोई कारण बताये उक्त पदों पर कार्यरत व्यक्तियों को विरुद्ध प्रशासनिक विधिक, अनुशासनात्मक/प्रशासनात्मक कार्यवाही कर सकता है, अथवा उक्त पदों के अधिकार एवं कार्यों किसी अन्य व्यक्ति को हस्तान्तरित/प्रदान कर सकता है, जिसके विरुद्ध किसी भी पदाधिकारी/सदस्य/कर्मचारी को किसी भी न्यायालय कोई वाद दायर करने का अधिकार नहीं होगा।
- ४: उक्त पदों के चुनने हेतु मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक उचित समझे तो दस रुपये के स्टैम्प पेपर पर उक्त लोगों के नाम, पिता/पति का नाम, पता व पद को दर्जित कर रजिस्ट्रार के बहाँ रजिस्ट्री कर सुनिश्चित कर सकते है।

*(Signature)*



# भारतीय गैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

29AA 643187

-१४-

- ६: इन्टर मीडिएट एनूकेशनल ऐक्ट के अनुसार मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक यह उचित समझे तो अपने विवेकानुसार एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष एक प्रबन्धक/सचिव, एक उपप्रबन्धक/उपसचिव एक कोषाध्यक्ष सहित सात सदस्य व तीन फ्रीन सदस्यों का पद सुजन कर सकता है। इनका कार्यकाल मात्र एक वर्ष का होगा, लेकिन ट्रस्टी प्रबन्धक जब भी चाहे अथवा एक वर्ष बाद इनके कार्यो से सन्तुष्ट हो तो इन्हें पुनः उसी पद रख सकता है अथवा असन्तुष्ट होने पर उनको उक्त पद से जब भी चाहे हटा सकता है।

- ६: उक्त निष्ठासन के बाद किसी भी सदस्य/प्रदायिकारी को किसी भी माननीय न्यायालय स्तर पर किसी भी प्रकार का कोई वाद बाधर नहीं कर सकता है। मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक का निर्णय ही मान्य होगा।

## मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक के अधिकार व कर्तव्य

- १: बोर्ड आफ ट्रस्टी के बैठक बुलाना एवं उसको अध्यक्षता करना।
- २: ट्रस्ट के समस्त कार्यो का उत्तरदायी ढंग से देख-रेख करना।
- ३: ट्रस्ट के अर्न्तगत उल्लेखित ट्रस्ट के उद्देश्य एवं नियमावली में संशोधन/परिवर्तन करके रजिस्टार के पास रजिस्ट्रीकृत कराना एवं उसे मान्य करवाना, तथा आवश्यकता पड़ने पर ट्रस्ट की सम्पत्ति का कय-विकय करना।

# भारतीय गैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

29AA 643188

यह एक गैर न्यायिक टिकट है, जिसका प्रयोग केवल न्यायिक प्रणाली में ही किया जा सकता है। इसका उपयोग किसी भी न्यायिक प्रणाली में नहीं किया जा सकता है।

-३२-

- ४: ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति करने हेतु सभी उपाय व कार्यवाही करना ।
- ५: ट्रस्ट के अर्न्तगत होने वाले सभी कार्यवाहियों एवं दिन प्रतिदिन की गतिविधियों पर नियंत्रण रखना ।
- ६: ट्रस्ट के अर्न्तगत संचालित कार्यों हेतु पदाधिकारियों की नियुक्ति, पर मुक्ति तथा उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक प्रशासनिक कार्यवाही करना ।
- ७: विभिन्न कार्यवाहियों एवं उद्देश्यों को पूर्ण करने हेतु बोर्डों/विभागों/ केन्द्रीय/संस्थाओं/उपसंस्थाओं का गठन करना उनके संयोगों/निदेशकों पदाधिकारियों आदि के संचालन हेतु आवश्यकतानुसार नियम/उपनियम बनाना ।
- ८: ट्रस्ट को प्राप्त किसी भी शिकायत पर की जाँच कर निर्णय देना ।
- १०: एक से अधिक विशेष कार्य अधिकारी नियुक्त होने की स्थिति में उनका कार्य विभाजन करना ।
- ११: ट्रस्ट को प्रसार/प्रसार/पुनर्गठन/प्रकाशन/वितरण/विक्रय की सर्वोत्तम व्यवस्था करना।

# भारतीय गैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

-२६-

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

खाता संचालन की व्यवस्था :-

29AA 643189

- 1: ट्रस्ट का खाता किसी बैंक, वित्तीय संस्था अथवा पोस्ट आफिस में ट्रस्ट के नाम से खोला जायेगा। जिसका संचालन मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक द्वारा किया जायेगा।
- 2: ट्रस्ट के अर्न्तगत संचालित अथवा कार्यरत किसी भी विद्यालय/पाठशाला/संस्थान/फैक्ट/कार्यक्रम/इकाई/कार्यालय का पृथक-पृथक नाम से बैंक खाता संचालित किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में स्वयं मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक द्वारा अधिकृत व्यक्ति द्वारा ही खाते का संचालन किया जायेगा।

## विधिक कार्यवाही

यदि ट्रस्ट की ओर से कोई विधिक कार्यवाही की जाती है या उसके विरुद्ध कोई विधिक कार्यवाही होती है तो, मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक की अनुमति से अधिवक्ता नियुक्ति होगा एवं विभिन्न न्यायालयों में पैरवी स्वयं अथवा ट्रस्टी द्वारा नियुक्त किसी अन्य सभ्य पराधिकारी/सदस्य द्वारा किया जायेगा।

## सम्पत्ति सम्बन्धित :-

- 1: ट्रस्ट के चल/अचल सम्पत्ति के सम्बन्ध में ट्रस्टी वह सभी अधिकार रखता है जो कि एक नागरिक व्यक्ति को प्राप्त होते हैं।
- 2: ट्रस्ट की ओर से चल/अचल सम्पत्ति के सम्बन्ध में ट्रस्ट की ओर से कोई निर्णय लेने, लेख-विलेख बनाने हेतु मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक किसी व्यक्ति को अधिकृत कर सकता है।

# भारतीय गैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

29AA 643190

-३७-

- ३: ट्रस्ट का मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक ट्रस्ट की ओर से चल/अचल सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी लेख-विलेख बनाने एवं निर्णय करने हेतु पूर्णतः समर्थ एवं अधिकृत होगा।
- ४: मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक ट्रस्ट के चल/अचल सम्पत्ति का कय-विक्रय पट्टा कर सकता है, अथवा रेंटन रख सकता है या किराये पर दे अथवा ले सकता है।
- ५: ट्रस्ट किसी भी व्यक्ति, प्रतिष्ठान, संस्था, राज्य सरकार, केन्द्र सरकार अथवा विदेशी सरकार से ज्ञान, दान, अनुदान, उपहार, कन्दा, आग्रह, भेट, सम्मान पुरस्कार, स्मृति चिह्न, मान्देष आदि प्राप्त व प्रदान कर सकता है।
- ६: ट्रस्ट अपनी आय को कहीं भी विनियोजित कर सकता है, सुरक्षित कर सकता है। किसी भी संस्था, कम्पनी आदि की किसी योजना में अपनी आय को विनियोजित कर सकता है।
- ७: चल /अचल सम्पत्ति की प्रतिभूति, भाड़ा, कय, अनुदान, बन्धक, भारकान्ति विनियोजित आदि कर सकता है, तथा ले अथवा दे सकता है।



# भारतीय गैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

29AA 643191

-३८-

## अतिरिक्त नियमों का समावेश :-

( अतिरिक्त नियमों का समावेश) निम्नलिखित नियमों का समावेश ट्रस्ट द्वारा संचालित विद्यालयों के संचालन हेतु किया गया है ।

- क: विद्यालय के पंजीकृत ट्रस्ट का कार्यकाल असीम होगा ।
- ख: विद्यालय की प्रबन्ध समिति में शिक्षा निदेशक द्वारा नामित सदस्य होगा ।
- ग: विद्यालय ने कम से कम १० प्रतिशत स्थान अनुसूचित जाति / अनुसूचितजन जाति के मेधावी बच्चों के लिए सुरक्षित रहेंगे और उनसे उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद/केन्द्रीय शिक्षा परिषद द्वारा संचालित विद्यालयों में विभिन्न कक्षाओं के लिए निर्धारित शुल्क से अधिक शुल्क नहीं लिया जायेगा ।
- घ: ट्रस्ट द्वारा राज्य सरकार से हर प्रकार के अनुदान की मांग की जायेगी और यदि पूर्व में विद्यालय माध्यमिक शिक्षा परिषद से सम्बन्ध प्राप्त है तथा विद्यालय की सम्बन्धिता सेन्ट्रल बोर्ड आफ सेकेंडरी एजुकेशन नई दिल्ली/केन्द्रीय क्विडियन स्कूल सर्टिफिकेट इकायमिनेशन नई दिल्ली से प्राप्त होती है तो उक्त परीक्षा परिषद से सम्बन्धिता प्राप्त होने की तिथि से ही सी०बी०ए०सी० विद्यालय का संचालन प्रारम्भ कर दिया जायेगा ।

# भारतीय नैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

29AA 643192

-२८-

- क: ट्रस्ट के शिक्षण तथा गिजनेतर कर्मचारियों को राजकीय सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं के कर्मचारियों के अनुमन्य वेतनमानों तथा अन्य शर्तों से कम वेतनमान तथा अन्य शर्तें नहीं दिये जायेंगे ।
- ख: कर्मचारियों की सेवा शर्तें बनायी जायेंगी और सहायता प्राप्त अज्ञातसर्वीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के कर्मचारियों के अनुमन्य सेवा निष्कृत लाभ उपलब्ध कराये जायेंगे ।
- ग: राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर जो भी आदेश निर्गत किये जायेंगे ट्रस्ट उनका पालन करेगा ।
- घ: विद्यालय का रिजर्व निर्धारित प्रत्येक पब्लिसिओं में रखा जायेगा ।
- ङ: उपरोक्त शासन के नियम/प्रतिबन्ध ६०सं० क से ज तक हमें स्वीकार है । उक्त शर्तों में बिना शासन के पूर्वानुमोदन के कोई परिवर्तन/संशोधन नहीं किया जायेगा ।

28/10/17

Te-017

सतीत बट लॉन्ग-1  
मुंबई नगरपालिका, मुंबई

भारती

Registration No. 30

Year 2017

Block No. 4

0101 सतीत बट लॉन्ग-1

सतीत बट लॉन्ग-1

सतीत बट लॉन्ग-1 व सतीत बट लॉन्ग-2 अंतर्गत

पत्र



सतीत बट लॉन्ग-1 व सतीत बट लॉन्ग-2 अंतर्गत

सतीत बट लॉन्ग-1 व सतीत बट लॉन्ग-2 अंतर्गत



# भारतीय नैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY  
RUPEES

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

29AA 643193

-४०-

## :- विशेष :-

- 1: इस ट्रस्ट के अन्तर्गत संचालित/कार्यरत किसी भी विद्यालय/महाविद्यालय कार्यक्रम इन्चार्ज, कार्यालय, संस्था उपक्रम के कार्य संचालन हेतु पृथक-पृथक रूप से कमेटियों का गठन किया जायेगा।
- 2: नियम/उपनियम आदि बनाये जा सकते हैं, परन्तु यदि यह इस डीड आफ ट्रस्ट के उद्देश्य व निमगावती के किसी भी प्राविधान का अतिक्रमण करते हैं, तो वह नियम/उपनियम, अतिक्रमण की सीमा तक शून्य है।
- 3: मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक यदि उचित समझे तो किसी भी परिस्थिति में इस ट्रस्ट / डीड के किसी प्राविधानों को निरविल कर सकते हैं, तथा प्राविधानों के होते हुए भी अन्यथा निर्णय ले सकता है। इस सम्बन्ध में मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक का विवेक/व्यवस्था ही अन्तिम होगी। इस धारा के अन्तर्गत मैनेजिंग ट्रस्टी/प्रबन्धक द्वारा की गयी किसी भी कार्यवाही की कहीं भी किसी भी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकेगी। ट्रस्ट की उक्त न्यास विलेख एवं उसमें सम्मिलित सभी उद्देश्यों एवं निमगावती एतद् द्वारा अधिनियमित, अनुमोदित, घोषित, पारित, आत्मसमर्पित है तत्काल से कार्यन्वित की

*(Signature)*  
[Red Seal]



28/09/17

Handwritten signature

संजय राव

संजय राव

पत्ता

Registration No.

56

Year:

2017

Bank No.

1

W1

संजय राव

संजय राव

संजय राव

संजय राव



संजय राव

W2

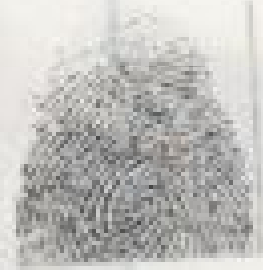
संजय राव

संजय राव

संजय राव

संजय राव

संजय राव



# भारतीय गैर न्यायिक

बीस रुपये

रु.20



Rs.20

TWENTY RUPEES

## INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश **UTTAR PRADESH**

29AA 643194

-87-

जाती है कि उक्त न्याय विलेख को पढ़कर एवं समझकर संचालित करने हेतु निम्न शर्तियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर बना दिये हैं।

दिनांक 11-08-2017 हस्ताक्षर गवाह

वैकीलिंग ट्रास्टी/प्रबन्धक  
या हस्ताक्षर

संजय कुमार शर्मा, साधन रूप मुद्राकार  
नं० 45/डी. वि० अजमेर रोड



रक्षातीक्ष्णप्रभाकर पुत्र रामचरण,  
प्लॉट नुम्ब्रेर प/स वे० ल० अ० अ०

*(Signature)*

टाइपकर्ता

(विजोरी चण्ड) प्राइवेट टाइपिस्ट सीवानी कम्पनी  
आजमगढ़।

रजिस्ट्रार जनरल  
24-31-3 2017  
रजिस्ट्रार जनरल  
दिनांक - 11-08-2017

2018/20

10-9-17

10-9-17

TWENTY  
RUPEES

20.00

INDIA

दिनांक 11/08/2017 को

पृष्ठ सं. 4 दिनांक 64

पृष्ठ सं. 202 का पृष्ठ सं. 290 पर पृष्ठ सं. 56

विशेष न्यायालय

सिद्धिदाता अधिकारी के सम्मान

*[Handwritten Signature]*  
सिद्धिदाता

उप निदेशक समूह  
समूह



*[Handwritten text]*

*[Faint handwritten notes and signatures at the bottom left]*